BPSM-161

कला स्नातक
राजनीति विज्ञान

सत्रीय कार्य 2025

BPSM -161

राजनीति विज्ञान संकाय, सामाजिक विज्ञान विद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-68

BPSM -161: राजनीतिक सिद्धांत का परिचय

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

इग्नू (IGNOU) में मूल्यांकन के दो भाग होते हैं: i) सत्रीय कार्यों के माध्यम से सतत मूल्यांकन तथा ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परिणाम में, एक पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्यों का अधिमान 30% होता है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70% अधिमान दिया जाता है।

आपको तीन शिक्षक-चिह्नित सत्रीय कार्य (TMAs) करने होंगे, जिनके कुल अंक 100 हैं तथा उनका अधिमान 30% है। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में मुख्य पाठ्यक्रम **BPSM -161: राजनीतिक सिद्धांत का परिचय**, जो कि एक चार-क्रेडिट पाठ्यक्रम है, के लिए तीन सत्रीय कार्य हैं।

सत्रीय कार्यों को हल करने का प्रयास करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप सभी सत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर किसी विशेष खंड के लिए निर्धारित शब्द सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होने चाहिए। स्मरण रखें, सत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा तथा यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेगा।

प्रस्तुतीकरण:

सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए आपको इन सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय के भीतर एक साथ जमा करना होगा।

यदि आप इस पाठ्यक्रम के लिए जुलाई 2024 में पंजीकृत हुए हैं, तो आपको ये सत्रीय कार्य 30 अप्रैल 2025 तक जमा करने होंगे। जो लोग जनवरी 2025 सत्र में इस पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत हुए हैं, उन्हें 31 अक्टूबर 2025 तक यह जमा करना होगा। तथापि, आपको सलाह दी जाती है कि अंतिम समय की हड़बड़ी से बचें और नियत तिथि से पहले सत्रीय कार्य जमा करें।

अन्य सभी सत्रीय कार्यों की तरह, इसे आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत किया जाना चाहिए। आपका क्षेत्रीय केंद्र आपको अपनी वेबसाइट पर इस सत्रीय कार्य को ऑनलाइन जमा करने की अनुमति दे सकता है। ऑनलाइन जमा करने की सुविधा उपलब्ध है या नहीं, यह जांचने के लिए कृपया अपने क्षेत्रीय केंद्र की वेबसाइट देखें।

सत्रीय कार्यों की एक छायाप्रति सदैव अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र/क्षेत्रीय केंद्र आपको सत्रीय कार्य लौटा देंगे।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में उल्लिखित प्रत्येक श्रेणी के दिशानिर्देशों के अनुसार देंगे। निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आपके लिए सहायक होगा:

1. **योजना:** सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बिंदु बनाएं और फिर उन्हें तार्किक रूप से पुनर्व्यवस्थित करें।
2. **संगठन:** अपने उत्तर की एक कच्ची रूपरेखा तैयार करने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक बनें। अपनी प्रस्तावना एवं निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर:

   क) तार्किक और सुसंगत हो;

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हों; तथा

   ग) यह सही ढंग से लिखा गया हो, जिसमें आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान दिया गया हो।
3. **प्रस्तुति:** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएं, तो आप जमा करने के लिए अंतिम संस्करण को साफ-सुथरे ढंग से लिख सकते हैं। सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द सीमा के भीतर हो।

शुभकामनाओं के साथ **राजनीति विज्ञान संकाय**

BPSM-161: राजनीतिक सिद्धांत का परिचय
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड: BPSM-161
सत्रीय कार्य कोड: BPSM-161/ASST/TMA/2025
अधिकतम **अंक:**100

निर्देश: तीनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर दें तथा उन्हें एक साथ जमा करें।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1. राजनीति क्या है? मानव समाज में इसके स्वरूप, क्षेत्र तथा महत्व की विवेचना कीजिए।
2. राजनीतिक सिद्धान्त के पुनरुत्थान की व्याख्या कीजिए। इसके पतन के क्या कारण थे, तथा हाल के दशकों में यह किस प्रकार पुनः उभरा है?

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

3. राजनीतिक सिद्धान्त तथा राजनीतिक दर्शन के मध्य विभेद स्पष्ट कीजिए।
4. मैक्स वेबर के वैध सत्ता (legitimate authority) के प्रतिरूपों (typology) की विवेचना कीजिए।
5. राज्य के सम्बन्ध में उदारवादी तथा मार्क्सवादी दृष्टिकोणों के बीच मुख्य अंतर क्या हैं?

सत्रीय कार्य – III

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

6. नागरिक समाज (Civil Society) को परिभाषित कीजिए तथा लोकतान्त्रिक राजनीति में इसकी भूमिका की व्याख्या कीजिए।
7. 'वितरणात्मक न्याय' (Distributive Justice) से क्या अभिप्राय है?
8. राजनीतिक सिद्धान्त में आनुभविक उपागम (empirical approach) पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
9. 'प्रहस्तक्षेपित सहमति' (Manipulated Consent) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।
10. आधुनिक राष्ट्र-राज्य (Modern Nation-State) की आधारभूत विशेषताएँ क्या हैं?